Title: Need for alround development of Bihar after its bifurcation.

श्री राजो सिंह (बेगूसराय) : महोदया, अविभाजित बिहार मानव तथआ आर्थिक विकास के अधिकांश मामलों में जैसे शिक्षा, प्रतिव्यक्ति आय, जीवन स्तर, संचार तथा परिवहन संबंधी बुनियादी ढांचे अन्य सभी राज्यों की तुलना में सबसे पिछड़ा हुआ था। विभाजन के बाद सामाजिक, आर्थिक दृटि से बिहार राज्य की स्थिति और भी अधिक भयावह और चौंका देने वाली होगी। उदाहरण के लिए अविभाजित बिहार राज्य के 13.14 प्रतिशत शहरीकरण की तुलना में विभाजित बिहार राज्य में शहरीकरण केवल 10.76 प्रतिशत है, जबक समूचे भारत में शहरीकरण का प्रतिशत 25.71 है। फलस्वरूप विभाजित बिहार का स्वरूप लगभग पूर्णत: ग्रामीण है। इसके अलावा किसी भी बड़े उद्योग के न होने और व्यापार एवं वाणिज्य के अभाव में विभाजित बिहार राज्य की समूची अर्थव्यवस्था पूर्णत: कृाि पर ही निर्भर रहेगी। साक्षरता के क्षेत्र में भी विभाजित बिहार राज्य सबसे पिछड़ा हुआ है क्योंकि अविभाजित बिहार राज्य में 38.55 प्रतिशत साक्षरता थी। विभाजन के उपरांत साक्षरता का प्रतिशत घटकर के वल 37.50 प्रतिशत रह गया है, जबकि समग्र भारत में यह 52.51 प्रितशत है। महिला और ग्रामीण साक्षरता की स्थिति तो और भी निराशाजनक है जो क्रमश: 16.26 प्रतिशत और 32.94 प्रतिशत है। स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, सड़कें, सिंचाई, बाजार आदि जैसी सामाजिक व आर्थिक बुनियादी सुविधाओं के मामले में तो विभाजित बिहार राज्य अत्यंत पिछड़ा हुआ है ही।

15.03 hrs.

(उपाध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए)

अत: मेरा उपरोक्त बिन्दुओं की ओर केन्द्रीय सरकार का ध्यान आकृट करते हुए अनुरोध करना है कि इसका समाधान अविलम्ब कराने की कृपा करें।